गली आगे मुड़ती है में चित्रित छात्र–आंदोलन : एक मूल्यांकन

विषयानुक्रमणिका

प्राक्कथन : 01-07

प्रथम अध्याय : 08-31

आजादी के बाद हुए विविध जनांदोलन :

1) कृषक आंदोलन
2) दलित–मुक्ति आंदोलन
3) मिल–मजदूर आंदोलन
4) नारी–मुक्ति आंदोलन
5) युवा आंदोलन

निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय : 32-55

"गली आगे मुड़ती है में चित्रित समस्याएँ :

1) धार्मिक आडम्बर की समस्या।
2) विश्वविद्यालयों में स्थित भ्रष्टाचार की समस्या।
3) बेरोजगारी की समस्या।
4) गुंडई की समस्या।
5) बाढ की समस्या।
6) भाषा आंदोलन की समस्या।
7) पुलिस भ्रष्टाचार की समस्या।
8) ग्राहकों को ठगाने की समस्या।
9) अश्लीलता की समस्या।
10) आतंकवाद की समस्या।
11) जातीयवाद की समस्या।

तृतीय अध्याय : 56-84

साठोत्तरी हिंदी उपन्यासों में चित्रित छात्रांदोलन :

1) "पक्षधर" – विश्वंभरनाथ उपाध्याय, 1971
2) "गली आगे मुड़ती है" – शिवप्रसाद सिंह, 1974
3) "अपना मोर्चा" – काशीनाथ सिंह, 1972
4) "नौजवान" – भैरवप्रसाद गुप्त, 1972
5) लाल–पीली जमीन – गोविंद मिश्र, 1976
6) उखडी हुई आँधी, सुदर्शन मजीठिया, 1979

चतुर्थ अध्याय : 85-117

"गली आगे मुड़ती है" का शिल्पविधान :

1) कथावस्तु
2) पात्र और चरित्र–चित्रण
3) कथोपकथन / संवाद
4) वातावरण
5) भाषाशैली
6) उद्देश्य

पंचम अध्याय : 118-133

"गली आगे मुड़ती है" में छात्र–आंदोलन :

1) छात्र शक्ति की पस्त होती हुई मानसिकता।
2) छात्र शक्ति की मानसिक कुंठा।
3) आत्मविभाजीत छात्रशक्ति
4) छात्रशक्ति की साहसिकता
5) छात्रशक्ति की सृजनात्मक उर्जा

6) छात्र शक्ति की संकल्प शक्ति

7) विश्वविद्यालयीन अव्यवस्था के खिलाफ छात्र–शक्ति

8) छात्रों का विध्वंसकारी रुप

9) युवाशक्ति की क्रान्तिकारीता।

10) निडसेवी बनने की प्रवृत्ति।

11) युवा शक्ति की भविष्य के प्रति उदासीनता।

12) आंदोलन में हिंसात्मकता

13) भाषिक आंदोलन के प्रति छात्रों की तीव्र प्रतिक्रिया।

14) नवचेतना से संपन्न प्रतिभाशाली छात्रशक्ति।

15) अध्यापकों के साथ छात्रों का संघर्ष।

16) राजनेताओं का छात्र–आंदोलन में हस्तक्षेप

17) आंदोलनकारी नेताओं की स्वार्थीनीति

18) बाहयशक्ति का छात्रोंपर दबाव

षष्ठ अध्याय : 134-143

उपसंहार